__/__/__

NIOS Bridge Course

असाइनमेंट :- 01

विषय -: बाल विकास एवं शैक्षिक मनोविज्ञान -:

सत्र -: 2025 - 2026

Name -

Enrollment No -

Address -

Email -

Mob. No -

School Name -

KENWALA 2 WhatsApp

KENWALA 2 WhatsApp 7055667037

खण्ड - A

__/__/____

कार्य शीर्षक -:

विविध पृष्ठभूमियों के बच्चों के दैनिक जीवन पर प्रभाव -: एक अवलोकन आधारित रिपोर्ट

#1 प्रस्तावना -: Introduction

बच्चे अपने सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और धार्मिक वातावरण से बहुत प्रभावित होते हैं। प्रत्येक बच्चा अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि - पालन पोषण शैली, भाषा संस्कृति और जीवन परिस्थितियों के अनुसार अलग - अलग व्यवहार भावनाएँ और सीखने के तरीके प्रदर्शित करता है। इस कार्य के अन्तर्गत मैंने अलग - अलग आर्थिक स्तर (उच्च, मध्यम, निम्न) के परिवेश के बच्चों के साथ पूरा दिन बिताया और उनके शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, भाषा तथा सांस्कृतिक आयामों का अवलोकन किया। यह रिपोर्ट उन्हीं अवलोकनों पर आधारित है।

#2 अवलोकन के उद्देश्य (Objective of Observation) -:

1. बच्चों के दैनिक व्यवहार को विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में समझना -

2. शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक, भाषा और सांस्कृतिक प्रभावों का अध्ययन करना।

3. यह जानना की पारिवारिक वातावरण उनके सीखने और व्यक्तित्व विकास पर कैसे प्रभाव डालता है।

KENWALA 2 WhatsApp 7056670377

4. बच्चों मे समानताओ और भिन्नताओं को पहचानना

#3 बच्चों का परिचय :-

Profile of children Observed -:

मैंने तीन अलग- अलग पृष्ठभूमियों के बच्चों का चयन किया :

1. **बच्चा A - उच्च आर्थिक वर्ग (Upper class)**

यह बच्चा निजी स्कूल मे शिक्षा प्राप्त करता है। इसके माता - पिता शिक्षित और उच्च आय अर्जित करने वाले है। घर मे अंग्रेजी भाषा का प्रयोग होता है। तथा तकनीकी साधन उपलब्ध है।

2. **बच्चा B - मध्यम वर्ग (Middle Class)**

यह बच्चा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में हिंदी माध्यम से पढता है। माता - पिता मध्यम आय प्राप्त करते हैं। पढ़ाई का वातावरण ठीक - ठाक है, सीमित साधन उपलब्ध हैं।

3- **बच्चा C - निम्न आर्थिक वर्ग (Lower class)**

यह बच्चा सरकारी स्कूल मे जाता है परिवार में आर्थिक कठिनाइयाँ हैं। माता - पिता मजदूरी व दैनिक कार्य करते हैं। घर में पढ़ाई के साधन बहुत कम हैं।

KENWALA 2 WhatsApp 7055667037

__/__/____

#4 अवलोकन के आधार (Areas of Observation)

मैंने अवलोकन निम्न पाँच क्षेत्रों में किया है -

1. शारीरिक विकास
2. भावनात्मक विकास
3. सामाजिक व्यवहार
4. भाषा विकास
5. सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रभाव

विस्तृत अवलोकन -: [Detailed Observations]

(A) शारीरिक विकास —
[Physical Development]

- बच्चा -(A)

यह बच्चा ऊर्जा से भरपूर है और साफ सफाई का ध्यान रखता है। इसके पास खेलकूद की सुविधा होने के कारण, शारीरिक विकास अच्छा है।

- बच्चा-(B)

इस बच्चे के पास खेल का समय सीमित है। तथा विद्यालय में योग, व्यायाम की मदद से स्वास्थ्य ठीक है।

- बच्चा-(C)

यह बच्चा पोषण की कमी के कारण थोड़ा कमजोर दिखा, तथा यह शारीरिक गतिविधि अधिक करने के कारण शरीर सुडौल लेकिन भोजन तथा चिकित्सा सुविधाएं सीमित हैं।

KENWALA 2 WhatsApp 7055667037

__/__/____

:- निष्कर्ष -:

आर्थिक स्थिति का सीधा प्रभाव बच्चों के पोषण तथा स्वास्थ्य पर दिखाई पड़ता है।

(B) भावनात्मक विकास
[Emotional Development]

- **बच्चा A -** यह बच्चा आत्मविश्वासी है, तथा अपनी बात सही और साफ तरीके से कहता है। जीत-हार पर संतुलित रहता है। लेकिन कभी-कभी अधिक संवेदना व्यक्त करता है।

- **बच्चा B -** यह बच्चा सहनशील तथा अपनी भावनाओ को संतुलित रखने वाला है। इस पर घर तथा विद्यालय का मिश्रित प्रभाव देखाई पड़ता है।

- **बच्चा C -** इस बच्चे में असुरक्षा की भावना दिखाई पड़ती है। प्रशंसा मिलने पर यह बहुत ही उत्साहित हो जाता है। यदि इसकी आलोचना की जाये तो यह चुप रहता है।

:- निष्कर्ष -:

भावनात्मक सुरक्षा और पारिवारिक माहौल बच्चे के आत्म विश्वास को गहराई से प्रभावित करते हैं।

KENWALA 2 WhatsApp 7055667037

- **बच्चा B**
यह बच्चा हिन्दी भाषा अधिक सरलता के साथ बोलता है। साथ में अंग्रेजी भाषा भी बोल पाता है।

- **बच्चा C**
इस बच्चे मे सीमित शब्दावली दिखाई पड़ती है। स्थानीय बोली का प्रभाव अधिक है। अध्ययन सामग्री की कमी के कारण भाषा कमजोर है।

:- निष्कर्ष -:

भाषा सीखने के संसाधन बच्चे की भाषाई क्षमता को सीधे प्रभावित करते हैं।

[E] सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रभाव -:
[Cultural and Religious Influence]

- **बच्चा A**
इस बच्चे के अन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, त्योहारों की विविध समझ है। इसके परिवार में आधुनिकता और परंपरा का मिश्रण है।

- **बच्चा B**
यह बच्चा परंपरागत त्योहारों और संस्कारों का पालन करता है। तथा परिवार के साथ धार्मिक कार्यों मे भागीदारी लेता है।

- **बच्चा C**
इस बच्चे मे धार्मिक आस्था बहुत गहराई से दिखाई देती है। स्थानीय संस्कृति का प्रभाव पड़ा है।

KENWALA 2 WhatsApp

अवसर प्रदान करें, विशेषकर उन बच्चों को जो संसाधनों की कमी के कारण पीछे रह जाते हैं।

समावेशी शिक्षा और व्यक्तिगत ध्यान के माध्यम से हम प्रत्येक बच्चे का संपूर्ण विकास सुनिश्चित कर सकते हैं।

KENWALA 2 WhatsApp
KENWALA 2 WhatsApp 7055667037

__/__/____

SECTION B

कार्य शीर्षक -: खेल के दौरान बच्चों की सहभागिता, भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ और सामाजिक व्यवहार पर अवलोकन रिपोर्ट :

#1 ~~प्रस्थ~~ प्रस्तावना -: Introduction

खेल बच्चों के सम्पूर्ण विकास का आधार है। खेल के दौरान बच्चे न केवल शरीर को सक्रिय रखते हैं। बल्कि वे अपनी भावनाएँ व्यक्त करना, समस्या समाधान करना, समाजिक संबंध बनाना और संघर्षों का समाधान करना सीखते हैं।

इस रिपोर्ट में मैंने 6 से 10 वर्ष आयु समूह के बच्चो को खेलते हुए करीब 2 घंटे तक अवलोकित किया। अवलोकन का ध्यान इस बात पर था कि बच्चे कैसे खेलते हैं। अपनी भावनाएँ कैसे व्यक्त करते हैं। एक दूसरे के साथ कैसा सहयोग करते हैं। प्रशंसा या आलोचना पर कैसी प्रतिक्रिया देते है। जीतने या हारने पर क्या भाव प्रदर्शित करते हैं, तथा संघर्ष और विवाद का समाधान कैसे करते है

2 अवलोकन का उद्देश्य -:

[Objectives of Observation]

1. यह समझना कि बच्चे खेल के दौरान कैसे सहभागिता करते है
2. बच्चों की भावनाओं और उनकी अभिव्यक्ति का अध्ययन करना।
3. प्रशंसा, आलोचना, जीत और हार पर बच्चो की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करना।
4. यह जानना की बच्चे आपसी सहयोग और टीमवर्क कैसे सीखते हैं।
5. विवाद, मतभेद या संघर्ष की स्थिति में बच्चे किस तरह से समाधान निकालते हैं।

KENWALA 2 WhatsApp 7055587037

__/__/____

#3 अवलोकन का वातावरण –
[Observation Setting]

स्थान – विद्यालय का खेल मैदान
गतिविधि – टीम आधारित खेल (कबड्डी, फुटबॉल और रस्सी कूद)
अवधि – 2 घंटे
बच्चो की संख्या – 8 बच्चे (6 से 10 वर्ष आयु के)

#4 बच्चों का संक्षिप्त परिचय –
[Brief Profile of children observed]

कुछ बच्चे शहरी तथा कुछ बच्चे ग्रामीण हैं। जिनमें 5 लड़के तथा 3 लड़कियाँ हैं। सभी की शारीरिक क्षमता और स्वभाव अलग - अलग हैं।

विस्तृत अवलोकन
[Detailed Observation]

[A] खेल में सहभागिता –

सभी बच्चे उत्साह के साथ खेल में शामिल हुए। खेल शुरु होने से पहले बच्चो ने अपनी - अपनी टीम बना ली।
कुछ बच्चे पहल करने वाले थे तथा कुछ शुरुआत में कुछ पीछे रहे लेकिन बाद मे सक्रिय हो गये।
टीम खेल कबड्डी और फुटबॉल में बच्चों ने जीतने के प्रयास किये, और खेल की भावना भी दिखाई पड़ी।

निष्कर्ष –: बच्चे प्राकृतिक रूप से समूह बनाने और खेल के नियमों का पालन करने की क्षमता रखते हैं।

KENWALA WhatsApp 7055667057

__/__/____

B. भावनाओं की अभिव्यक्ति Expression of Emotions

सकारात्मक भावनाएँ –
खुश होकर हँसना, साथियो को हाई-फाइव देना, सफल होने पर उत्साह से कूदना।

नकारात्मक भावनाएँ –
एक बच्चा फुटबाल को न रोक पाने के कारण उदास हो गया, एक छोटी बहस के दौरान बच्चे थोड़ा नाराज दिखे। परन्तु महत्वपूर्ण यह था कि सभी बच्चे कुछ ही समय बाद सामान्य हो गए।

निष्कर्ष – बच्चे अपनी भावनाएँ तुरंत व्यक्त करते हैं। लेकिन लम्बी अवधि तक उन्हें नहीं बनाये रखते हैं।

C. सहयोग और टीमवर्क "Cooperation and Teamwork"

खेल कबड्डी में बच्चों ने रणनीति बनाते हुये, कौन किसे पकड़ेगा कार्य अपने आप बाँट लिए। फुटबाल में पास देना, गोल करने में मदद करना और एक दूसरे को प्रोत्साहित करना देखा गया है।

निष्कर्ष – खेल सहयोग और सामूहिक कार्य सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है।

D. प्रशंसा और आलोचना पर प्रतिक्रिया –

"Response to Praise and Criticism"

प्रशंसा पर प्रतिक्रिया –

1. बच्चों में ऊर्जा बढ़ जाती है।
2. आत्मविश्वास मजबूत हो जाता है।
3. कुछ बच्चे अपने साथियों की प्रशंसा करते हैं।

KENWALA 2 WhatsApp 7055607087

आलोचना पर प्रतिक्रिया -:

1 हल्की आलोचना पर कुछ बच्चे चुप होगए।
२. एक बच्चा निराश होकर कुछ देर बैठ गया।
3. शिक्षक द्वारा प्रोत्साहन के बाद वह वापस खेल में शामिल हो गया।

निष्कर्ष – बच्चों को सकारात्मक प्रोत्साहन की अधिक आवश्यकता होती है। और आलोचना बच्चों की सहभागिता को प्रोत्साहित करती है।

जीत और हार पर प्रतिक्रिया (Reaction to Winning or Losing)

1. जीतने पर -:
बच्चा जीतने पर खुश होकर, चिल्लाते है, कूदते है, ताली बजाते हैं। टीम से कहते है, बहुत अच्छा खेला, बधाई देते हैं।

2. हारने पर -
हारने पर हल्के निराश और नाराज हो जाते हैं। अगली बार हम जीतेंगे यह कहते हैं।

निष्कर्ष – खेल से बच्चे धैर्य रखना और आत्म-नियंत्रण करना सीखते हैं।

संघर्ष और समाधान (Conflicts and their Resolution)

अवलोकन के समय दो छोटे संघर्ष देखने को मिले
संघर्ष -1 फुटबॉल मे गोल को लेकर बहस -:
दो बच्चे गोल मानने पर सहमत नहीं थे।
एक बच्चा चिल्लाया – " गोल नहीं हुआ!"
दूसरा बच्चा बोला – " हुआ था!"

KENWALA 2 WhatsApp 7055667037
KENWALA 2 WhatsApp 7055667037

तीसरे बच्चे ने बीच बचाव किया और बोला – "चलो फिर से कोशिश करते हैं।"
समाधान – बच्चों ने अपने आप निर्णय कर लिए की वह फिर से खेलेंगे।

संघर्ष - 2 रस्सी कूद खेल में क्रम को लेकर झगड़ा

दो बच्चियाँ एक साथ कूदना चाहती थी।
शिक्षक ने कहा –: "पहले जिसने पूछा था वह पहले कूदेगी!" दोनों ने मान लिया।

निष्कर्ष –
बच्चों में स्वाभाविक रूप से विवाद का समाधान करने की क्षमता होती है, यदि उन्हें शांत वातावरण और मार्गदर्शन मिले।

#6 विश्लेषण (Analysis)

अवलोकन करने से यह स्पष्ट हुआ कि खेल बच्चों के विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।

1. भावनात्मक विकास –
बच्चे खुशी, निराशा, उत्साह और क्रोध को आसानी से व्यक्त करते है। तथा कुछ ही मिनटों के बाद भावनात्मक रूप से सामान्य हो जाते हैं।

2. सामाजिक विकास –
खेल बच्चों को समूह में रहना सिखाता है, तथा साथ ही सहयोग करना, नेतृत्व करना और सामूहिकता सिखाता है।

3. भाषाई विकास –
बच्चों ने खेल के दौरान बहुत संवाद किए, जिससे भाषा और अभिव्यक्ति क्षमता मजबूत हुई।

KENWALA 2 WhatsApp 7056670377

4. नैतिक विकास –
खेल के माध्यम से बच्चों मे नियमों का पालन करना और न्याय एवं खेल भावना विकसित होती है।

5. संघर्ष समाधान –
खेल के समय मतभेद होने पर बच्चे स्वयं समाधान खोजने का प्रयास करते हैं।

#7 निष्कर्ष [Conclusion]

हमारा यह अवलोकन स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है, कि खेल बच्चों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का आधार हैं। खेल के माध्यम से बच्चे, साझा करना, सहयोग करना, नियमों का पालन करना, आत्म-नियंत्रण, समस्या समाधान, नेतृत्व और सामाजिक भावनाएँ जैसे महत्वपूर्ण कौशल सीखते है।

हमारा / शिक्षक का दायित्व है। कि वह खेल को शिक्षा अभिन्न अंग बनाए, और बच्चो को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, सकारात्मक प्रोत्साहन और विवाद समाधान के अवसर प्रदान करे। ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

KENWALA 2 WhatsApp 7053567057